किसान की प्रगति में ही देश की प्रगति है-राज्यपाल 20-3-2017

चण्डीगढ़, 20 मार्च - हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि न्यू इंडिया की परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें किसानों को आगे बढ़ाना होगा। किसान की प्रगति में ही देश की प्रगति है। यदि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में एक व्यक्ति एक कदम आगे बढ़ाएगा तो भारत 125 करोड़ कदम आगे बढ़ जाएगा और 21वीं सदी भारत की सदी होगी।

राज्यपाल ने ये विचार आज फरीदाबाद के सूरजकुण्ड में चल रहे द्वितीय कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन बतौर मुख्य अतिथि किसानों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन को वे दूसरी दृष्टि से देखते हैं और इस सम्मेलन के आयोजन से 21वीं सदी में भारत का उदय होना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हाल ही आयोजित हुए इंडिया कॉनक्लेव में न्यू इंडिया की बात कर रहे थे लेकिन यह तभी संभव है जब किसान की प्रगति हो और इसी से देश की प्रगति भी होगी। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जिस प्रकार से 17वीं सदी इंग्लेंड की थी, 18वीं फ्रंास की, 19वीं जर्मनी की, 20वीं अमेरिका थी, ठीक उसी प्रकार 21वीं सदी भारत की होगी। लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा। इसके लिए हमें हर क्षेत्र में लगातार प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि नए प्रयास और दिशा शुरू हो गई है और भारत 21वीं सदी में अग्रणी होने के लिए बढऩे लगा है।

राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि भारत में 60 प्रतिशत किसान हैं और किसान की प्रगति में ही देश की प्रगति है। इस सम्मेलन में किसानों, खेती से जुड़े लोगों को बुलाकर आगे के लिए चर्चा की गई है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हरियाणा अपना स्वर्ण जंयती वर्ष मना रहा है और इस मौके पर इस सम्मेलन का महत्व और भी बढ़ जाता है। इसके लिए उन्होंने आयोजकों को बधाई भी दी।

केन्द्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में किसानों के हितों की बात करते हुए कहा कि किसानों को भला तभी संभव है जब किसानों द्वारा बेचे गए उत्पाद के बदले मिलने वाली करंसी देश की सामान्य करंसी से अलग हो और उस करंसी का मूल्य देश की सामान्य करंसी से तीन गुणा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अर्थ-व्यवस्था की परिभाषा को बदलना होगा। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि जब एक किसान अपनी फसल को बोता है तो उसे सालभर में 10 हजार या इससे थोड़ा अधिक तक बचत होती है लेकिन जब एक उद्योगपति अपना उद्योग लगाता है तो वह सालभर में करोड़ों रुपये की आय कर लेता है। इससे खाई बढ़ जाती है। हमें इस खाई को समाप्त करना होगा। तभी जाकर किसान व कमेरे वर्ग का भला हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज हमारी जीडीपी 7 प्रतिशत है लेकिन किसान का भला तभी होगा जब उसकी आय बढ़ेगी। इससे देश की जीडीपी 10 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सभी को नौकरी नहीं दी सकती है लेकिन यदि अर्थ व्यवस्था परिवर्तन में किया जाए तो देश को आगे बढ़ाया जा सकता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने किसानों से रूबरू होते हुए कहा कि इस सम्मेलन में 9 करोड़ रुपये का एक झोटा है लेकिन किसानों व कमेरे वर्ग के भले के लिए हमें इस प्रकार के 90 लाख झोटे चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपनी अर्थ व्यवस्था को मजबूत करना होगा, एक अमेरिकी डालर लेने के लिए 65 रुपये से अधिक खर्च करने होते हैं अर्थात अमेरिका की अर्थ व्यवस्था भारत से 65 गुणा अधिक मजबूत है। यह बात सही है कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए तकनीक की अहम जरूरत है।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री पुरूषोत्तम रूपाला ने कहा कि किसान लीडर बने, ऐसा हरियाणा सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि साल 2022 तक किसानों की आय को दोगुणा किया जाएगा। ऐसा प्रधानमंत्री देश को पहली बार मिला है जिसने किसानों की आय के बारे में सोचा है और एक लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जन-धन योजना के तहत 30 करोड़ लोगों के बैंकों में खाते खोले हंै जिससे बैंकों को 40000 करोड़ रुपये मिले हैं और यह धन देश की अर्थव्यवस्था में आया। उन्होंने कहा कि देश में सिंचाई तंत्र की मजबूती के लिए 20000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और 95 ऐसी योजनाओं को चिन्हित किया गया है जिनके माध्यम से किसानों की आय को दोगुणा करने का लक्ष्य पाया जाएगा, जिनमें सायल हैल्थ कार्ड, नीम कोटेड यूरिया, ई-नाम मंडी को जोडने वाली योजना शामिल है।

उन्होंने कहा कि देश की 500 मंडियों को ई-नाम पोर्टल से जोडने के लिए निर्णय लिया है और इसमें जुडने के लिए पहले प्रत्येक मंडी को 30 लाख

रूपए की राशि दी जाती थी जिसे अब भाजपा सरकार ने बढाकर 75 लाख रूपए किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लागू होने के बाद पहले वर्ष में ही 30 प्रतिशत किसानों को कवर किया गया जो अब वर्ष 2017 में 40 प्रतिशत किसानों को इस योजना के अंतर्गत कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इसी प्रकार वर्तमान सरकार चाहती है कि वर्ष 2018 तक 50 प्रतिशत किसानों को इस योजना का लाभ मिलें। उन्होंने किसानों से रूबरू होते हुए कहा कि हमें जरूरत के अनुसार अपने खेतों में उत्पादों की पैदावार करनी होगी तभी हमारा उत्थान संभव हंै। उन्होंने कहा कि जैसा कि यहां बताया जा रहा है कि हरियाणा दूध के उत्पादन में नंबर एक पर आना चाहता है और इसके लिए भारत सरकार हरियाणा की हर संभव मदद करने तैयार कर रही है। उन्होंने इस सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सम्मेलन पहले की तरह आयोजित किए किसान मेलों की तरह नहीं है इस सम्मेलन में अब नौजवान हिस्सा ले रहे हैं जो प्रगति की ओर इशारा कर रहा है।

कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री ओपी धनखड ने का कि इस सम्मेलन में रोजाना एक प्रगतिशील किसान को सोनालिका का ट्रैक्टर पुरस्कार के रूप में दिया जा रहा है और इसी प्रकार ई-नाम में मंडी को जोडने के लिए मार्किटिंग सचिवों द्वारा बेहतर कार्य करने के लिए आज चार मोटरसाइकिलें भी पुरस्कार के रूप में दी गई है। उन्होंने कहा कि एक-एक लाख रूपए के विभिन्न पुरस्कारों को देने की शुरूआत की गई है जिनमें मत्स्य पालन के क्षेत्र में मत्स्य रतन पुरस्कार, फल उत्पादन के क्षेत्र में फल

रतन पुरस्कार, सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में सब्जी रतन पुरस्कार, फूल उत्पादन के क्षेत्र में फूल रतन पुरस्कार और जैविक खेती के क्षेत्र में प्रगतिशील किसान को हरियाणा जैविक रतन पुरस्कार शामिल है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार चाहती है कि किसानों की आमदनी करोड़ों रूपए में हो और हरियाणा के साथ लगते दिल्ली के बाजार पर उसका कब्जा होना चाहिए। जिस प्रकार से दिल्ली में फ्रोजन मछली बेची जा सकती है उसी प्रकार से गोभी और आलू इत्यादि को फ्रोजन करके बेचा जा सकता हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रोजाना 100 करोड रूपए का सब्जी और फल व फूल का बाजार है जिसका कारोबार होता है यदि हरियाणा के किसान इस 100 करोड रूपए के बाजार में से 50 करोड रूपए के प्रति दिन के बाजार को भी कवर कर लेता है तो सालभर मे 18000 करोड रूपए का बाजार हरियाणा के किसनों को मिल जाता है।

उन्होंने कहा कि पहले फसल नुकसान होने पर किसान को 6000 रूपए प्रति एकड के अनुसार मुआबजा दिया जाता था परंतु अब भाजपा सरकार ने 12000 रूपए प्रति एकड के अनुसार किसानों को मुआबजा दिया गया है और सरकार ने 2200 करोड रूपए का मुआबाज किसानों को दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को 12000 रूपए प्रति एकड से भी ज्यादा मुआबजा मिलें इसके लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू किया गया है जिसमें किसान को हरियाणा में सबसे अधिक लाभ देने की बात की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कपास के किसानों को भी दो प्रतिशत तक प्रीमियम देना पडेगा और तीन प्रतिशत प्रीमियम की राशि सरकार वहन करेगी और

सरकार ने 46 करोड रूपए की प्रीमियम भरपाई की है। उन्होंने फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल खराब होने की स्थिति में कपंनियों द्वारा जिन किसानों को मुआवजा दिया गया उनसे रूबरू करवाया। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों को पूरी फसल खराब होने पर भी किसानों को मुआबजा देना होगा। वे चाहते हैं कि पूरा का पूरा गांव रिस्क फ्री हो जिसें हर खेत, हर पशु और हर किसान का बीमा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने बीमा करवाया है उन्हें कंपनियों द्वारा तो मुआवजा दिया जाएगा ही साथ जिन्होंने बीमा नहीं करवाया है उन्हें भी गिरदावरी करवाकर मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2478 गांवों में फसल की पैदावार कम पाई गई थी जिसमें 209 करोड़ रूपए की मुआवजा किसानों को दिया गया है।

उन्होंने कहा कि हमें सिंचाई में ड्रीप सिंचाई पर जाना होगा और हर खेत को पानी मिलें और इसके लिए 90 प्रतिशत तक माइक्रो इरीगेशन पर सबिसडी दी जा रही है। इसी प्रकार से मंडियों को ई-नाम पोर्टल से जोडा जा रहा है और अब तक 662641 किसानों ने 7722 करोड रूपए कम्प्यूटर से व्यापार किया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन कलाईमेट स्मार्ट, रिस्क मैनेजमेंट और ई-नाम के लिए हैं।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा, परिवहन मंत्री कृष्ण लाल पंवार, मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री श्री गौरी शंकर, संासद व किसान मोर्चा के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह मस्त व कृषि विभाग के प्रधान सचिव डा अभिलक्ष लिखी ने भी किसानों को संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो कप्तान सिंह सोलंकी ने प्रगतिशील किसानों, अपने अपने क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर मुख्य संसदीय सचिव श्रीमती सीमा त्रिखा, हैफेड के चेयरमैन हरविन्द्र कल्याण, सागर जिले के सांसद लक्ष्मी नारायण, विधायक मूलचंद शर्मा, टेकचंद शर्मा, महीपाल ढांडा, फरीदाबाद की मेयर सुमन बाला, किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष समय सिंह भाटी, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू, जिला अध्यक्ष भाजपा सुखबीर मलेरना, न्यूजीलेंड की डिप्टी हाई कमीश्नर सुजैन जोसफ, जाबिया से एच सिखापाले इत्यादि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

Haryana Governor, Prof. Kaptan Singh Solanki being presented with a memento by Agriculture and Farmers' Welfare Minister, Mr. O.P. Dhankar at prize distribution and closing ceremony, 2nd Agri-Leadership Summit-2017 at Surajkund in district Faridabad on March 20, 2017. Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Mr. Parshottam Rupala and Haryana Education Minister, Mr. Ram Bilas Sharma are also seen in the picture.

Haryana Governor, Prof. Kaptan Singh Solanki giving away a laptop to an entrepreneur for his outstanding contribution in promotion of Agricultural implements and cashless transactions at prize distribution and closing ceremony of 2nd Agri-Leadership Summit-2017 at Surajkund in district Faridabad on March 20, 2017. Union Minister for Steel, Mr. Birender Singh, Haryana Agriculture and Farmers' Welfare Minister, Mr. O.P. Dhankar and Education Minister, Mr. Ram Bilas Sharma

Haryana Governor, Prof. Kaptan Singh Solanki handing over key of a tractor to a progressive farmer at prize distribution and closing ceremony of 2nd Agri-Leadership Summit-2017 at Surajkund in district Faridabad on March 20, 2017. Union Minister for Steel, Mr. Birender Singh, Haryana Agriculture and Farmers' Welfare Minister, Mr. O.P. Dhankar and Education Minister, Mr. Ram Bilas Sharma are also seen in the picture.

Haryana, Governor, Prof. Kaptan Singh Solanki, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Mr. Parshottam Rupala, Haryana Agriculture and Farmers' Welfare Minister, Mr. O.P. Dhankar and Haryana Education Minister, Mr. Ram Bilas Sharma at prize distribution and closing ceremony, 2nd Agri-Leadership Summit-2017 at Surajkund in district Faridabad on March 20, 2017.

Haryana Governor, Prof. Kaptan Singh Solanki and Agriculture and Farmers' Welfare Minister, Mr. O.P. Dhankar going around cattle fair at 2nd Agri-Leadership Summit-2017 at Surajkund in district Faridabad on March 20, 2017.